कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

क्र./जन.कार्य./2023–24/423 दिनांक : 06/02/2024

प्रति,

श्रीमान संपादक महोदय/ब्यूरोचीफ
ग्वालियर, म.प्र.

महोदय,

निवेदन है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशनार्थ प्रेषित है। कृपया प्रकाशित कर सहयोग करने का कष्ट करें।

(जनसम्पर्क अधिकारी)

प्रेसनोटः–

प्रधानमंत्री जी ने संदेश द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में आयोजित मेले की सराहना की

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को संदेश लिखकर यह प्रसन्नता व्यक्त की कि ग्वालियर, मध्यप्रदेश में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मिलेट संगोष्ठी, किसान मेला एवं मिलेट प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, मध्यप्रदेश सरकार एवं फार्मटेक एशिया, गुजरात द्वारा संयुक्त रूप से इन कार्यक्रमों को आयोजन सराहनीय है।

कहा जाता है–यथा अन्नम्, तथा मनः। अर्थात हम जैसा आहार ग्रहण करते हैं, हमारा मन भी वैसा ही बनता है। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ्य मन के लिए पोषक आहार के महत्व की समझ भारत में प्राचीन युग से ही रही है और इसलिए मोटे अनाजों अथवा मिलेट्स का उपभोग देश में परंपरागत रूप से होता रहा है।

अपनी असीमित विशेषताओं के कारण श्रीअन्न की पहचान प्राप्त करने वाले मोटे अनाज उपभोक्ताओं के पोषण, किसानों की समृद्धि और जलवायु अनुकूल कृषि से सीधे–सीधे जुड़े हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा जैसे कई गंभीर प्रश्नों के उत्तर के रूप में श्रीअन्न अनेक समस्याओं का समाधान भी प्रदान करते है।

मुझे खुशी है कि देश के साथ–साथ विदेशों में भी मोटे अनाजों को अपनाया जाए इसके लिए भारत के प्रस्ताव पर बीते वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने के व्यापक अनुकूल प्रभाव नजर आ रहे हैं। देश भर में जिस तरह अधिक से अधिक लोगों में इस विषय को लेकर जागरूकता पैदा कर इसे जनभागदारी का अभियान बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वह सराहनीय है। हमने देखा है कि देश ने जन–जागरूकता और जनभागीदारी के जरिए बड़े से बड़े बदलावों और लक्ष्यों को हासिल किया है।

आशा करता हूं कि ये कार्यक्रम किसानों, कृषि उद्यमियों, कृषि विश्वविद्यालय और छात्र–छात्राओं को एक साथ एक मंच पर लाकर मिलेट से जुडी विभिन्न जानकारियों के आदान–प्रदान का एक उपयुक्त अवसर प्रदान करेंगे। इस विश्वास के साथ कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।